

सार-समाचार

सादुलपुर के वीर जवान दिनेश कुमार सड़क हादसे में शहीद

सादुलपुर (निसं)। चूरु जिले के सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव गोविंद सिंह का बास, पोस्ट नूहंद निवासी वीर जवान दिनेश कुमार सड़क दुर्घटना में शहीद हो गए। शहादत की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बीकानेर से सेना की गाईं टुकड़ी पार्थिव शरीर के साथ शहीद स्मारक राजगढ़ पहुंची। जहां पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां, सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पुनिया, भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा पुनिया, पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष मुकेश पुनिया, युवा कांठोस नेता कुलदीप पुनिया हमीरवास, तेजपाल पुनिया, पूर्व अध्यक्ष जगत सिंह, प्रो. दिलीप पुनिया, राजपाल बिशु व नरेन्द्र सांगवान, उम्मेद पुनिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शहीद स्मारक राजगढ़ से शहीद के पैतृक गांव बास गोविंद सिंह तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। डीजे के साथ हाथों में तिरंगा लिए युवा "शहीद दिनेश कुमार अमर रहे, भारत माता की जय" के जयकारे लगा रहे थे। गौरतलब है कि शहीद दिनेश कुमार भारतीय सेना की 2 जाट रेजिमेंट में अरुणाचल प्रदेश में तैनात थे। वे छुट्टी पर आए हुए थे और रविवार को बाइक से घरेलू काम से जा रहे थे, उसी दौरान पिलानी-लोहारू के बीच बस की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए भिवानी के अस्पताल में भर्ती करावाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया।

राजस्थान सरकार सार्वजनिक निर्माण विभाग महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें प्रपत्र-9 (अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का अधिनियम संख्या 30) की धारा 19 (1) एवं राजस्थान नियम 21 (1) के अधीन घोषणा) घोषणा

यतः सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजनार्थ राजस्थान राज्य के चूरु जिले में चूरु सादुलपुर खण्ड, अग्रसेन नगर, चूरू के कि.मी. 282/5-6 पर एल.सी.-167ए, के स्थान पर आर.ओ.बी. (ROB) के निर्माण हेतु ग्राम चूरू तहसील चूरू जिला चूरू में कुल 0.1645 हैक्टेयर भूमि अपेक्षित है, अर्थात इसलिए घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भूखण्ड है, जो मानक माप का 0.1645 हैक्टेयर है जो ग्राम चूरू तहसील चूरू जिला चूरू में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है:

यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुर्नव्यस्थापना में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात की गयी है। भूमि अर्जन के कारण पुर्नव्यस्थापन के लिए सम्भावित कुटुम्ब की संख्या 0 है।

उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी विशिष्ट भाग में पड़े कोयला, लौह, पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खाने हैं, खान और खनिज के ऐसे भागों, जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चर के दौरान खोदे जाने या हाटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है। भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी चूरू, जिला-चूरू के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है। पुनर्वासन एवं पुर्नव्यस्थापना योजना का सार संलग्न है।

संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग

DIPR/C/15501/2026

राजस्थान सरकार सार्वजनिक निर्माण विभाग महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें प्रपत्र-9 (अन्तर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का अधिनियम संख्या 30) की धारा 19 (1) एवं राजस्थान नियम 21 (1) के अधीन घोषणा) घोषणा

यतः सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजनार्थ राजस्थान राज्य के चूरू जिले में रामनगर तिराहा (चूरू) में चूरू-रामगढ़ शेखावटी रेलवे लाईन पर आर.यू.बी. (I) के निर्माण के लिए कुल 0.9221 हैक्टेयर भूमि अपेक्षित है, अर्थात

इसलिए घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भूखण्ड है, जो मानक माप का 0.9221 हैक्टेयर है जो ग्राम खासोली तहसील चूरू जिला चूरू में है, जिसका विस्तृत ब्यौरा निम्नलिखित है:

यह घोषणा हितबद्ध व्यक्तियों के आक्षेपों को सुनने और भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुर्नव्यस्थापना में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (2013 का 30) की धारा 15 में यथा उपबंधित सम्यक जांच करने के पश्चात की गयी है। भूमि अर्जन के कारण पुर्नव्यस्थापन के लिए सम्भावित कुटुम्ब की संख्या 0 है।

उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी विशिष्ट भाग में पड़े कोयला, लौह, पत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खाने हैं, खान और खनिज के ऐसे भागों, जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण चर के दौरान खोदे जाने या हाटाये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है। भूमि अवाप्ति अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी चूरू, जिला-चूरू के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है। पुनर्वासन एवं पुर्नव्यस्थापना योजना का सार संलग्न है।

संयुक्त सचिव (पथ) सार्वजनिक निर्माण विभाग

DIPR/C/15502/2026

झुंझुनूं के डॉ. जुल्फिकार ने लेखन एवं सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विश्व कीर्तिमान रचा

- “जीनियस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड” में दर्ज हुआ नाम, स्वामी विवेकानंद पर शोध के लिए अब 5 विश्व रिकॉर्ड**
- 18 वर्षों के शोध, लेखन, शिक्षा और सामाजिक सेवा को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान; विवेकानंद के विचारों को देश-विदेश तक पहुंचाने में जुटे हैं डॉ. जुल्फिकार**

विचारों पर किए गए व्यापक कार्यों के लिए मिला है।

डॉ. जुल्फिकार इससे पहले भी चार अलग-अलग विश्व रिकॉर्ड पुस्तकों में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भारत के साथ बांग्लादेश, श्रीलंका और सिंगापुर स्थित रामकृष्ण मठ-मिशन संस्थाओं पर शोध करने वाले भारतीय मुस्लिम युवा के रूप में उनका नाम दर्ज हुआ। वहीं यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जिले के 62 सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के 1० हजार विद्यार्थियों के बीच 'स्वामी विवेकानंद

स्वाध्यायमाला प्रतियोगिता' के सफल आयोजन के लिए उन्हें रिकॉर्ड में स्थान मिला। इसी क्रम में भारत बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में बेलूर मठ सहित देश के 5० से अधिक रामकृष्ण मठों का भ्रमण तथा स्वामी विवेकानंद पर 32 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन के लिए डॉ. जुल्फिकार का नाम दर्ज किया गया।

इसके अलावा एशियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में पिछले सात वर्षों के दौरान 8० हजार स्वामी विवेकानंद चित्रांकित कैलेंडर एवं 2० हजार विवेकानंद पुस्तकों का नि:शुल्क

शिक्षक दिवस पर सीएलसी इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित

- विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान प्रकट करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को जीवंत किया गया**

विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों एवं खेलों का भी आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों में शिक्षकों के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता की भावनाएं स्पष्ट रूप से दिखाई दीं।

कई विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ बिताए अनुभव साझा करते हुए बताया कि शिक्षक केवल विषय का ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन में सही दिशा चुनने, अनुशासन

एवं उपलब्धियों के माध्यम से विद्यालय तथा गुरुजनों का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्सव एवं उत्सास का माहौल बना रहा। इस अवसर पर सीआईएस प्रबंधन एवं विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

विप्र समाज के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क ई-लाइब्रेरी शुरु

चूरू (कासं)। विप्र समाज के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र आचार्य चाणक्य संस्थान समिति ने पहल की है। मिश्र स्मृति भवन में शुरू की गई नि:शुल्क ई-लाइब्रेरी का रविवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। यहां विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन सामग्री के साथ शांत व सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विप्र रत्न बनवारीलाल सोती व गनेड़ी के संत निवृत्तियाथ महाराज थे। वहीं सालासर बालाजी धाम के यशोदानंदन पुजारी विशिष्ट अतिथि थे। ई-लाइब्रेरी का शुभारंभ अतिथियों ने फीता काटकर किया। इससे पूर्व सरस्वती वंदना व स्वस्ति वाचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बनवारीलाल सोती ने ई-लाइब्रेरी को विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा उपयोगी प्रकल्प बताते हुए इसके विकास के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

समर्थकों का कहना है कि बजरंग लाल ने पहले सेवा की है, अब जनता उन्हें पार्षद बनाकर सेवा का अवसर देने का मन बना चुकी है।वाई में राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के बीच निर्दलीय बजरंग लाल की सक्रियता ने चुनावी मुकामले में नया रंग भर दिया है। अब अंतिम फैसला जनता के हाथ में है, लेकिन फिलहाल वाई की चुनावी चौरालों में बजरंग लाल के समर्थन और उनकी सेवा की चर्चा लगातार जोर पकड़ रही है। चुनावी महासंग्राम में इस बार निर्दलीय ही किंगमेकर की भूमिका निभाएंगे।

समर्थकों का कहना है कि बजरंग लाल ने पहले सेवा की है, अब जनता उन्हें पार्षद बनाकर सेवा का अवसर देने का मन बना चुकी है।वाई में राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के बीच निर्दलीय बजरंग लाल की सक्रियता ने चुनावी मुकामले में नया रंग भर दिया है। अब अंतिम फैसला जनता के हाथ में है, लेकिन फिलहाल वाई की चुनावी चौरालों में बजरंग लाल के समर्थन और उनकी सेवा की चर्चा लगातार जोर पकड़ रही है। चुनावी महासंग्राम में इस बार निर्दलीय ही किंगमेकर की भूमिका निभाएंगे।

राजपूत समाज की एकता से ही होगा सामाजिक उत्थान : पूर्ण सिंह

- पपुरना में नरदेव सिंह की स्मृति में राजपूत एकता समारोह, महिपाल सिंह मकराणा ने भी दिया संगठन मजबूत करने का संदेश**

मार्गदर्शन उपलब्ध करवाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को शिक्षा, रोजगार सहित अन्य क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। समाज के विकास में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है।

अध्यक्षीय संबोधन में महिपाल सिंह मकराणा सहित अन्य वक्ताओं ने भी सामाजिक एकजुटता, शिक्षा और समाज के उत्थान को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने स्वयं गरीबी को क़रीब से देखने की बात कहते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी को वे समझते हैं और उनके लिए सदैव खड़े रहने का प्रयास करते हैं।

वाई की सबसे बड़ी समस्या पेयजल संकट को लेकर बजरंग लाल ने बड़ा संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि चुनावी जीतने के 9० दिनों के भीतर दो टुक्युबवेले का निर्माण शुरू करवाने का प्रयास करेंगे। साथ ही बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने की बात

बच्चों के कर कमलों से बजरंग लाल का चुनावी कार्यालय खुला

- सेवा के पुराने रिश्ते और जनता के भरोसे के सहारे मैदान में बजरंग लाल, बोले-वादा नहीं, काम करके दिखाऊंगा**
- पेयजल संकट पर 90 दिन में 2 टुक्युबवेले, महिलाओं को हर वर्ष उपहार और गरीबों की मदद का संकल्प**

लाल ने कहा कि वाई की जनता उनके लिए केवल मतदाता नहीं, बल्कि परिवार है। उन्होंने स्वयं गरीबी को क़रीब से देखने की बात कहते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी को वे समझते हैं और उनके लिए सदैव खड़े रहने का प्रयास करते हैं।

वाई की सबसे बड़ी समस्या पेयजल संकट को लेकर बजरंग लाल ने बड़ा संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि चुनावी जीतने के 9० दिनों के भीतर दो टुक्युबवेले का निर्माण शुरू करवाने का प्रयास करेंगे। साथ ही बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक प्रयास करने की बात

सार-समाचार सीएलसी हाई स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के प्रति सम्मान जताया

सीकर (निसं)। सीएलसी द्वारा संचालित राजस्थान बोर्ड के प्रतिष्ठित विद्यालय सीएलसी हाई स्कूल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त करते हुए विभिन्न गतिविधियों और प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षक-शिष्य संबंधों की सुंदर झलक प्रस्तुत की। विद्यालय के कक्षाकक्षों में भी शिक्षक दिवस को विशेष रूप से मनाया गया, जहां विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। सीएचएस एकेडमिक हेड जितेन्द्र बाजिया ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में केवल विषय ज्ञान प्रदान करने वाले मार्गदर्शक नहीं होते, बल्कि वे उनके व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, आत्मविश्वास व भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सीएलसी हाई स्कूल में शिक्षा को केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को नीट, आईआईटी –जेईई, एनडीए, ओलंपियाड्स एवं अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मजबूत आधार प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस अवसर पर सीएचएस प्रधानाचार्य रतन जागवत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक हमारे जीवन के ऐसे मार्गदर्शक हैं, जो हमें सही दिशा दिखाने के साथ-साथ हमारी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने के लिए प्रेरित करते हैं।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ग्रामीण आंदोलन पर उतरे

सिद्धमुख/चूरू (निसं)। तहसील का सीमावर्ती क्षेत्र इन दिनों किसान आंदोलन का केंद्र बनता जा रहा है। बिना किसानों की सहमति के क्षेत्र के आठ गाँवों के किसानों की उपजाऊ भूमि पर डैम निर्माण को आहट के बीच इन गाँवों के किसान आंदोलन पर है। करंभ तीन सप्ताह से क्षेत्र के गाँव ताम्बाखेड़ी में बड़ी संख्या में किसानों और महिलाओं की मौजूदगी नज़र आने लगी है। सोमवार को उस समय आंदोलन ने और मजबूती पकड़ ली जब डैम प्रस्तावित आठ गाँवों के छात्रों ने स्कूलों की राह छोड़कर किसानों के समर्थन में धरना स्थल पर आकर बैठ गए। इन आठ गाँवों के सभी सरकारी व आसपास के निजि स्कूलों से सभी छात्र अनुपस्थित रहकर धरना स्थल पहुंचे तथा इस आंदोलन को अपने अस्तित्व को लड़ाई बताकर इसमें शामिल हो गए। गौरतलब है कि यमुना जल परियोजना की डीपीआर को मंजूरी मिले बिना ही गत माह राजस्थान सरकार ने इन आठ गाँवों की कृषि भूमि पर प्रस्तावित तीन वॉटर रिजवायर में से एक वॉटर रिजवायर के लिए आनन-फ़ानन में 8०0 करोड़ की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी थी। इसका पता चलते ही धनोटी छोटी व बड़ी, दुमकी, ताम्बाखेड़ी, ढीगरला, चुबकियागढ़, रामसर। टिब्बा, हंसियावास गाँवों के ग्रामीण प्रस्तावित मनमाने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन पर उतर आए है। एक ओर आठ गांव के किसान 3 सप्ताह से धरने पर है, वहीं स्थानीय प्रशासन व सरकार इस मामले में निरंतर चुप्पी साधे हुए है। प्रशासन की तरफ से आंदोलनरत किसानों के बीच जाकर वार्तालाप का कोई प्रयास अभी तक नज़र नहीं आया है।

OFFICE OF THE ADDL. CHIEF ENIGNEER, PWD, ZONE BIKANER	
No:-999	DL:-17-08-2026
NIB CODE:- PWD2627A2431	
NIB NO. 04/2026-27	
Bid (On EPC Mode) for Construction of 2 Lane ROB in Lieu of LC-09 at IR Km 340/9-341/0 Ratangarh-Degana Section on Ratangarh-Chhapar Road (SH-07C) in District Churu is invited from interested bidders upto 6.00 PM dt. 22.09.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajjasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and DIPR department website. The approximate values of the procurement is Rs. 3814.00 Lakhs.	
UBN Code No. PWD2627WLOB10748	
	Addl. Chief Engineer, PWD, Zone Bikaner
DIPR/C/15538/2026	

भाग 1 (ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें

सार्वजनिक निर्माण विभाग: पथ, राजस्थान, जयपुर

जिला (चूरू)

अधिसूचना

अन्तर्गतभूमि अर्जनाए पुनव्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4-1ऽ राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4:1ऽ के तहत राजस्थान भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार नियम 2016 के प्रावधानुसार एवं राजस्थान सरकार चूरू जिले में रतनगढ तहसील में रतनगढ-डेगाना रेलवे सैक्शन किमी 340/९ से 341/0 पर आरओबी का निर्माण कार्य किया जाना है जिसकी स्वीकृति बजट घोषणा वर्ष 2026.27 के अन्तर्गत दिनांक 11.02.2026 द्वारा राशि रूपए 45.69 करोड़ की हुई जिसमे ग्राम पडिहारा तहसील रतनगढ में ब्रिज निर्माण कार्य के लिए भूमि अवाप्ति की जानी जिनका विवरण निम्नानुसार हे स

क्रम स	राज्य	जिला	तहसील	गाँव
	राजस्थान	चूरू	रतनगढ	पडिहारा

परियोजना हेतु नियमानुसार सामाजिक समघात निर्धारण हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड रतनगढ, चूरू जिले में रतनगढ-डेगाना रेलवे सैक्शन किमी 340/9 से 341/0 पर आरओबी का निर्माण कार्य के लिए भूमि अवाप्ति तहसील रतनगढ के ग्राम पडिहारा का चयन किया गया है। उपरोक्त चयनित संस्था द्वारा परिधोजना हेतु प्रस्तावित भूअर्जन से प्रभावित गाँवों में सामाजिक समघात निर्धारण राजस्थान भूमि अर्जन व पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और निम्नानुसार होगी

- संस्था द्वारा परियोजना हेतु प्रस्तावित गाँवों भू.अर्जन से प्रभावित व्यक्तियों का विवरण तैयार कर सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रारूप रिपोर्ट तैयार की जायगी।
- प्रारूप रिपोर्ट की प्रति प्रभावित गाँवों में समुचित सभा तत्पश्चात प्रभावित गांवों में प्रयाप्त प्रचार प्रसार के उपरान्त जन सुनवाई की जावेगीए जिसका कार्यवाही विवरण समुचित रूप से रिकॉर्ड किया जायेगा।
- जन सुनवाई के दौरान आये सुझावों आपत्तियों के समुचित समाधान को शामिल कर सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट एवं सामाजिक समाधान प्रबंध योजना तैयार की जावेगी ।
- सामाजिक समाघात निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावित गांवों में सम्बंधित ग्राम पंचायत के परामर्श में की जावेगी ।
- सामाजिक समाघात मूल्यांकन के दौरान किसी भी प्रकार के बल प्रयोग या धमकी का प्रयत्न इस कवायद को अकृत और शुन्य बना देगा।।
- सामाजिक समाघात निर्धारण प्रक्रिया को इस अधिसूचना की तिथि से अधिकतम माह अवधि से पूर्व सम्पूर्ण कराया जाना आवश्यक है।

संपर्क सूत्र सामाजिक समाघात निर्धारण कार्ड कार्यालय अधिकाशी अभियन्ता सा0 नि0 वि0 खण्ड रतनगढ कैलाश चन्द मीना मोबाइल न0 9414271363	
सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी	
कार्यालय अधिकाशी अभियन्ता	
सा0 नि0 वि0 खण्ड रतनगढ	
कैलाश चन्द मीना	
मोबाइल न0 9414271363	
संयुक्त सचिव (पथ)	
सार्वजनिक निर्माण, राजस्थान, जयपुर	
DIPR/C/15568/2026	